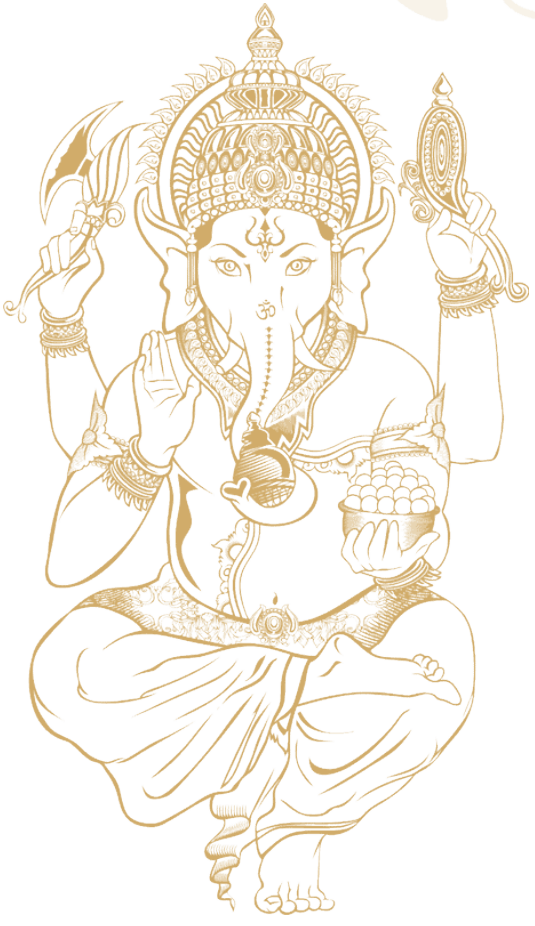

Pratik Sinha

Vidya Srivastava

Model: Web-FreeMatching

Order No: 119749006

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
11/10/1993	जन्म तिथि	11/04/1997
सोमवार	दिन	गुरु-शुक्रवार
घंटे 06:44:00	जन्म समय	05:56:00 घंटे
घटी 02:25:14	जन्म समय(घटी)	01:03:09 घटी
India	देश	India
Hajipur	स्थान	Arakkonam
25:41:00 उत्तर	अक्षांश	13:05:00 उत्तर
85:13:00 पूर्व	रेखांश	79:04:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे 00:10:52	स्थानिक संस्कार	-00:13:44 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:45:54	सूर्योदय	06:04:33
17:26:38	सूर्यास्त	18:25:51
23:46:27	चित्रपक्षीय अयनांश	23:49:07

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
बुध 9वर्ष 10मा 25दि	06:05:39	तुला	लग्न	मीन	24:02:29	चन्द्र 6वर्ष 11मा 13दि
शुक्र	23:58:00	कन्या	सूर्य	मीन	27:20:52	राहु
06/09/2010	22:13:58	कर्क	चंद्र	वृष	14:03:49	25/03/2011
06/09/2030	15:43:52	तुला	मंगल व	सिंह	24:43:57	24/03/2029
शुक्र 05/01/2014	18:37:55	तुला	बुध	मेष	14:59:22	राहु 05/12/2013
सूर्य 05/01/2015	29:40:37	कन्या	गुरु	मक	22:53:40	गुरु 30/04/2016
चन्द्र 05/09/2016	00:05:28	कन्या	शुक्र	मीन	29:30:44	शनि 07/03/2019
मंगल 05/11/2017	00:06:24	कुंभ व	शनि	मीन	17:49:03	बुध 23/09/2021
राहु 05/11/2020	10:19:41	वृश्चि व	राहु व	कन्या	04:44:40	केतु 11/10/2022
गुरु 07/07/2023	10:19:41	वृष व	केतु व	मीन	04:44:40	शुक्र 11/10/2025
शनि 06/09/2026	24:31:54	धनु	हर्ष	मक	14:25:46	सूर्य 05/09/2026
बुध 07/07/2029	24:38:04	धनु	नेप	मक	06:01:07	चन्द्र 06/03/2028
केतु 06/09/2030	00:13:12	वृश्चि	प्लूटो व	वृश्चि	11:28:44	मंगल 24/03/2029

लग्न-चलित

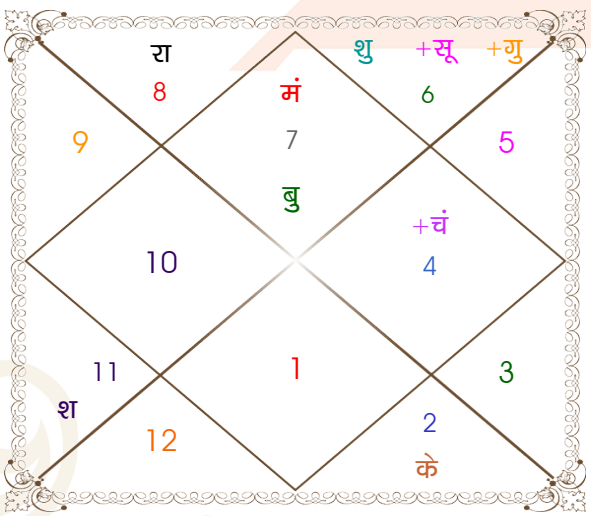

लग्न-चलित

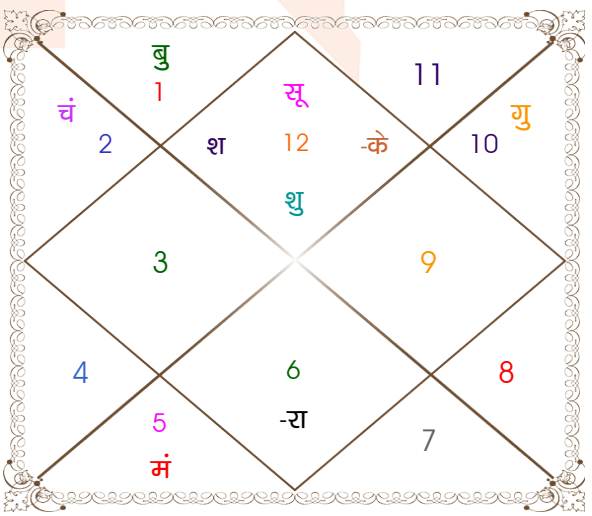

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	साधक	प्रत्यारि	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मार्जार	सर्प	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	चन्द्र	शुक्र	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	मनुष्य	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	कर्क	वृष	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	अन्त्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	12.00		

गणदोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता नहीं है।

नाड़ी दोष कष्टदायक नहीं है क्योंकि Vidya Srivastava का नक्षत्र रोहिणी है।

Pratik Sinha का वर्ग श्वान है तथा Vidya Srivastava का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर मित्रता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Pratik Sinha और Vidya Srivastava का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

Pratik Sinha मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

Vidya Srivastava मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है।

यामित्रे च यदा सौरि लग्ने वा हिबुकेऽथवा।
अष्टमे द्वादशे वापि भौमदोषविनाशकृत्।।

शनि यदि एक की कुंडली में 1,4,7,8,12 वें भावों में हो और दूसरे के मंगल इन्हीं भावों में हों तो मंगल दौष नहीं लगता।

क्योंकि शनि Vidya Srivastava कि कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों

में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल Vidya Srivastava कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Pratik Sinha तथा Vidya Srivastava में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।